रात्रि क्लास 18-12-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

अभी तुम बच्चों को सभी के आक्युपेशन का पता पड़ा है। भक्ति मार्ग में कोई के भी आक्युपेशन का पता नहीं है। एक्टरर्स को ड्रामा के डायरेक्टर मुख्य एक्टरस का मालूम रहता है ना। मनुष्य होकर अगर न जाने तो एडीयट कहेंगे ना। अभी तुम समझकर मनुष्य से देवता बनते हो। अभी तुम जानते हो हम एडीयट्स अन्दर थे। इसी जन्म में बन्दर थे फिर इसी जन्म में विश्व के मालिक बनने लायक बन रहे हैं। समझते हो हम बन्दर से भी बदतर थे। कहते हो ना तुम गंदे हो। कहते हैं ईश्वर सर्वव्यापी है। सर्वव्यापी का अर्थ तो बिल्कुल ही जंगलीपना है। अभी समझते हो। अनेक प्रकार के मनुष्य हैं। कोई तो कहते हैं जिधर देखता हूं राधे ही राधे। कृष्ण का पुजारी फिर कहेंगे कृष्ण ही कृष्ण। भक्ति मार्ग है ना। अनेक पूजा होती है। अभी तुम्हारी बुधि कहा जाती है। हम नई दुनिया में आवेंगे कोई मंदिर न होगा। ज्ञान भी न होगा। ज्ञान है ही पुरानी दुनिया से नई दुनिया में जाने लिये। राजयोग है ना। राजा-रानी डबल सिरताज यह ल0ना0 है ना परन्तु समझते कुछ भी नहीं हैं। अम्बा2 कहते रहते हैं। ल0को अम्बा नहीं कहेंगे। कितने नाम हैं। काली चन्डीका, अभी तुम बच्चे सभी कुछ भूलते हो देह को भी भूलना है। भगवानुवाच है ना। गीता की ईज्जत बहुत है। बहुत मातायें श्री गीता का अर्थसंस्कृत में बैठ सुनाती हैं। भिन्न2 प्रकार के हैं। बनारस है अड्डा। वहां से ही टाईटल मिलते हैं। इसलिये बाबा ने भेजा थो घेराव करो। विधुत मंडली पर। अभी आते हैं समझते हैं ठीक है, फिर बाहर निकले तो वैसे के वैसे ही बन जाते हैं। ख्याल करते हैं क्या करें। अगर कहे गीता शिव ने गाई है तो सभी कहेंगे यह कहां से सीखे हैं। बच्चे समझते हैं यह पढ़ाई है। एमआबजेक्ट भी है परन्तु याद की यात्रा में है मेहनत। माया विघ्न डालती है। और तरफ ख्याल गया माना माया आई। बाप एक है, माया के रूप ढेर हैं। बंधे जाने से माया घेंचती है। टाईम लगता है जब हम कर्मातीत अवस्था को पहुंचेंगे। कल्प कल्प पहुंचते हैं फिर लड़ाई लग जावेगी। तुम सतोप्रधान बनते हो तो तुम्हारे लिये नई दुनिया जरूर चाहिए। यह है एक लाईफ। फर्स्ट क्लास अमूल्यजीवन यह है। यह है ईश्वरीय नालेज। भगवान बैठ पढ़ाते हैं। तुम्हारी बुधि में आगे कृष्ण था। अभी तुम शिव बाबा को याद करते हो। परन्तु यह बुधि में बैठे वह इतनी छोटी बिन्दी है वह नही बैठता है। वह समझ लेते हैं। भक्ति में भी बड़ा कर दिया है। कोई तो अच्छी रीत याद करते हैं मैं आत्मा हूं। टेप भरा हुआ है अभी शरीर धारण किया हुआ है तो टेप चलता रहता है। ईश्वर का टेप यानि आत्मा सभी से छोटी है या कोई मनुष्य की आत्मा टेप छोटी होगी? उनकी है नालेज की एक्टिविटी। बाप नालेज सुनाते हैं जरूर रिवइ है। और कोई है जिनका बाप से भी कम रिकार्ड हो। (पीरियड छोटी होती है) यह सभी बातें तुम बच्चे ही समझते हो। मनुष्य विचारे क्या जाने। तुम समझते हो परमात्मा है ऊंच ते ऊंच। उनकी ही सारी नालेज है। उनको नालेज-फुल कहते हैं। तुम्हारी जो आत्मा है उनको रिकार्ड में पीरियड बड़ी है। पूरे 5000 वर्ष हैं। जो पार्ट2 आते हैं। भोले2 बच्चे अच्छी रीत बाप को याद करते हैं बैटरी चार्ज करते रहो। क्योंकि पूरी डिस्चार्ज हुई है। फिर अभी तुमको ही युक्ति मिली है चार्ज करने की। जितनी धारणा होती है उतना ही सर्विस करते हैं। वह भगवान है भाई भी साथ में है। बाप हरेक के धारणा को अच्छी रीत समझ सकते हैं पर बतलाते नहीं। कहीं फेल न हो जाये। इस समय मातायें जास्ती सर्विस करती हैं। माताओं को रिगार्ड देना है। पुरुष तो भक्तिमार्ग में शास्त्र आदि बहुत ही सुनाते हैं। रीयल ज्ञान तो माताओं से मिलता है, इसलिये माताओं का नाम जास्ती है। एक धर्म की स्थापना करते हो यह नशा रहना चाहिए। आदि सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना हो रही है। तो अन्दर खुशी होनी चाहिए। जितना बाप को याद करेंगे पाप कटेंगे और खुशी बढ़ेगी। जो भी टाईम मिले यह प्रैक्टिस करनी है। बाप से हमको विश्व की बादशाही मिलती है। यही याद आती रहे तो बहुत भाग्यशाली हो। ज्ञान मान सरोवर में डुब्की मारने से ज्ञान पूरी बन जावेंगे। एक तालाब है जिसके लिये वह कहते हैं। डुबकी लगाने से मनुष्य परीजाद बन जाते हैं। रगुन में भी एक तालाब है। अभी तुम बच्चे ज्ञान सरोवर में डुबकी मार रहे हो। अच्छा बच्चों को गुडनाइट।